ये अव्यक्त इशारे

दुआयें दो और दुआयें लो

26-11-2023

बाप की आज्ञा है बच्चे तन-मन-धन और जन –इन सबको बाप की अमानत समझो। जो भी संकल्प करते हो वह पॉजिटिव हो, पॉजिटिव सोचो, शुभ भावना के संकल्प करो। बॉडीकान्सेस के "मैं और मेरेपन से दूर" रहो, यही दो माया के दरवाजे हैं। संकल्प, समय और श्वांस ब्राह्मण जीवन के अमूल्य खजाने हैं, इन्हें व्यर्थ नहीं गंवाओ। जमा करो। ऐसे आज्ञाकारी बच्चे को मात-पिता की दुआयें मिलती हैं।

Give blessings and receive blessings

Baba's direction is: Consider your body, mind, wealth and relationships to be entrusted to you by the Father. Whatever thoughts you have should be positive. Those positive thoughts should be filled with good wishes. Remain beyond the body consciousness of "I" or "mine", because these are two doors through which Maya can enter you. Thoughts, time and breath are invaluable treasures of Brahmin life. Therefore, save these and do not waste them.